Indus Valley Civilization
सिंधु घाटी सभ्यता
www.gyantu.com

सिंधु घाटी सभ्यता
का
काल खंड

1. पूर्व हड़प्पा काल : 3300 - 2600 ईसा पूर्व
2. परिपक्व काल: 2600 - 1900 ई.पू.
3. उत्तरार्ध हड़प्पा काल: 1900 - 1300 ईसा पूर्व

एक हड़प्पाई मुहर

सिंधु घाटी सभ्यता की खोज

चार्ल्स मैसेन (1826)

एलेक्जेण्डर कनिंघम (1846)

बर्टन बन्धुओं (1846)

जॉन मार्शल(1902)

दयाराम साहनी (1921) हड़प्पा का खोजकर्ता

राखलदास बेनर्जी मोहनजोदड़ो का खोजकर्ता

सिंधु घाटी सभ्यता का विस्तार

सिंधु घाटी सभ्यता का क्षेत्रीय विस्तार था:

उत्तर: मांडा (जम्मू और कश्मीर)

दक्षिण: दैमाबाद (महाराष्ट्र)

पूर्व: आलमगीरपुर (उत्तर प्रदेश)

पश्चिम: सुत्कागेंडोर (पाकिस्तान)

सिंधु घाटी सभ्यता के मुख्य स्थल

- मोहनजोदड़ो (Moenjo-daro)
- हड़प्पा (Harappa)
- धोलावीरा (Dholavira)
- राखीगढ़ी (Rakhigarhi)
- गणेशपुर (Ganesh-swarup)
- चन्हुदड़ो (Chanhudaro)
- लोथल (Lothal)
- सुतकागेंडोर (Sutkagendor)
- कुतबपुर (Kot Diji)
- अमृतसर (Amritsar)
- कालीबंगा

सिंधु घाटी सभ्यता के मुख्य स्थल

हड़प्पा

अन्नागार
पाकिस्तान के पंजाब रावी नदी
बैलगाड़ी

लोथल (Lothal)

अहमदाबाद में भोगवा नदी
1957 ईस्वी में श्री एस. आर. राव
शतरंज का खेल
अग्नि वेदिकाएँ

कालीबंगा

राजस्थान के हनुमानगढ़
'सरस्वती नदी' के तट
1953 ईस्वी में अमलानंद घोष
बेलनाकर मुहरों, अलंकृत ईंटों
अग्नि वेदिकाएँ

मोहनजोदड़ो (Moenjo-daro)

मृतकों का टीला
एक विशाल स्नानागार
सबसे बड़ी इमारत अन्नागार
1922 में राखालदास बेनर्जी
शहर 200 हैक्टेयर क्षेत्र में बसा
पशुपति महादेव की मुहर
कांस्य की नर्तकी की मूर्ति

चन्हूदड़ो

पाकिस्तान में सिंधु नदी
मनके, उपकरण, मुहरें
वक्राकार ईटों

धौलावीरा

गुजरात के कच्छ जिले
बाँध अथवा कृत्रिम जलाशय

सिंधु घाटी सभ्यता का नगर नियोजन

सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) एक नगरीय सभ्यता थी, जिसमें कई बड़े और समृद्ध शहर थे. इन शहरों में उत्कृष्ट जल निकासी व्यवस्था, सार्वजनिक स्नानागार, विशाल इमारतें और सड़कें थीं. सिंधु घाटी सभ्यता के लोग कृषि, पशुपालन, व्यापार और शिल्प के क्षेत्रों में कुशल थे. वे तांबे, कांसे और सोने के धातुकर्म में भी माहिर थे.

सिंधु घाटी सभ्यता के शहरों की नगर नियोजन की विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- शहरों को एक ग्रिड पैटर्न में बनाया गया था.
- सड़कें चौड़ी और सीधी थीं.
- शहरों में सार्वजनिक स्नानागार, बाथरूम और सीवरेज सिस्टम थे.
- घरों में आमतौर पर एक आंगन होता था.
- शहरों में कई मंदिर और धार्मिक स्थल थे.
- शहरों में एक मजबूत दीवार थी जो उन्हें बाहरी आक्रमणों से बचाती थी.
- नगर को दो हिस्सों में विभाजित किया जाता था।

    a) एक 'पश्चिमी टीला' ('दुर्ग') b) दूसरा हिस्सा 'पूर्वी टीला'('निचला नगर')

सिंधु घाटी सभ्यता के शहरों की नगर नियोजन की विशेषताएं इस सभ्यता के लोगों के समृद्ध और उन्नत जीवन को दर्शाती हैं. यह सभ्यता अपने समय में विश्व की सबसे उन्नत सभ्यताओं में से एक थी.

सिंधु घाटी सभ्यता
का
शिल्प और तकनीकी ज्ञान

- पत्थरों के औजार तथा उपकरण
- मुद्रा निर्माण, मूर्ति का निर्माण के साथ बरतन
- ताम्बे तथा टिन मिलाकर धातुशिल्पी कांस्य
- काँसे के निर्माण से भली-भाँति परिचित
- ताम्बे तथा टिन मिलाकर धातुशिल्पी कांस्य
- सूती कपड़े
- लेखन कला का आविष्कार कर चुके थे

सिंधु घाटी सभ्यता का आर्थिक जीवन

सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) एक समृद्ध और उन्नत सभ्यता थी, जिसका आर्थिक जीवन कृषि, पशुपालन, व्यापार और शिल्प पर आधारित था.

कृषि

सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक आधार था. सिंधु घाटी सभ्यता के लोग गेहूं, जौ, चावल, चना, मूंग, मसूर, सरसों, कपास, फल और सब्जियों की खेती करते थे. वे सिंचाई के लिए नहरों और कुओं का उपयोग करते थे.

पशुपालन

सिंधु घाटी सभ्यता के लोग गाय, भैंस, बकरी, भेड़, सूअर, ऊँट, कुत्ता और मुर्गी पालते थे. वे दूध, मांस, ऊन और चमड़े का उत्पादन करते थे.

व्यापार

सिंधु घाटी सभ्यता के लोग अपने उत्पादों को अन्य सभ्यताओं के साथ व्यापार करते थे. वे सोना, चांदी, तांबा, कांस्य, अभ्रक, सीप, लकड़ी, तेल, मसाले, और अन्य वस्तुओं का व्यापार करते थे. उनके व्यापारिक साझेदार मेसोपोटामिया, ईरान, अफगानिस्तान, और अरब थे.

शिल्प

सिंधु घाटी सभ्यता के लोग कुशल शिल्पकार थे. वे मिट्टी के बर्तन, तांबे और कांसे के बर्तन, आभूषण, और अन्य वस्तुओं का निर्माण करते थे. वे कपड़ा, कालीन, और अन्य वस्तुओं का भी निर्माण करते थे.

सिंधु घाटी सभ्यता
का
पतन

पर्यावरणीय परिवर्तन

सिंधु घाटी सभ्यता के पतन के लिए पर्यावरणीय परिवर्तन एक संभावित कारण हो सकता है. इस समय के दौरान, इस क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन हुआ, जिससे सूखे और बाढ़ जैसी आपदाएं हुईं. इन आपदाओं ने सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों के जीवन को कठिन बना दिया और उनकी समृद्धि को कम कर दिया.

आंतरिक संघर्ष

सिंधु घाटी सभ्यता के पतन के लिए आंतरिक संघर्ष भी एक संभावित कारण हो सकता है. इस समय के दौरान, सिंधु घाटी सभ्यता के शहरों में आंतरिक संघर्ष हुए, जिससे लोगों में अशांति और अस्थिरता बढ़ गई. इस अशांति ने सिंधु घाटी सभ्यता के पतन में योगदान दिया.

बाहरी आक्रमण

सिंधु घाटी सभ्यता के पतन के लिए बाहरी आक्रमण भी एक संभावित कारण हो सकता है. इस समय के दौरान, इस क्षेत्र में अन्य सभ्यताओं ने आक्रमण किए, जिससे सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों को नुकसान हुआ और उनकी शक्ति कम हो गई. इन आक्रमणों ने सिंधु घाटी सभ्यता के पतन में योगदान दिया.

1. भारत में चाँदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य मिलते हैं

a) हड़प्पा संस्कृति में

b) पश्चिमी भारत की ताम्रपाषाणिक संस्कृति में

c) वैदिक संहिताओं में

d) चाँदी के आहत सिक्कों में

2. निम्नलिखित पशुओं में से किस एक का हड़प्पा संस्कृतिक में पाई गई मुहरों और टेराकोटा कलाकृतियों में निरूपण नहीं हुआ था ?

a) गाय

b) हाथी

c) गैंडा

d) बाघ

3. निम्नलिखित को सही सुमेलित करें

सूची I (स्थान)	सूची II (राज्य)
A. आलमगीरपुर	1. गुजरात
B. लोथल	2. उत्तर प्रदेश
C. कालीबंगा	3. पंजाब
D. रोपड़	4. राजस्थान

कूट

	A	B	C	D
a)	1	2	3	4
b)	1	2	3	4
c)	4	3	2	1
d)	3	4	1	2

4. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है ?

a) हड़प्पा	–	दयाराम साहनी
b) लोथल	–	एस आर राव
c) सुरकोटड़ा	–	जे पी जोशी
d) धौलावीरा	–	वी के थापर

5. सिन्धु घाटी के लोग पूजा करते थे

a) पशुपति
b) इन्द्र और अरूण
c) ब्रह्मा
d) बिष्णु

6. भारत का सबसे बड़ा हड़प्पन पुरास्थल है

a) आलमगीरपुर

b) कालीबंगा

c) लोथल

d) राखीगढ़

7. स्थापित सिन्धु घाटी सभ्यता जिन नदियों के तट पर बसी थी, वे थीं

1. सिंधु
2. चेनाब
3. झेलम
4. गंगा

8. मोहनजोदड़ो निम्नलिखित में से कहाँ पर स्थित है ?

(a) भारत के गुजरात राज्य में

(b) भारत के पंजाब राज्य में

(c) पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त में

(d) अफगानिस्तान में

9. हकड़प्पा का उत्खनन करने वाला प्रथम पुरातत्वविद् जो इसके महत्त्व को नहीं समझ पाया था

a) ए कनिंघम

b) सर जॉन मार्शल

c) मार्टिमर व्हीलर

d) जॉर्ज ए डेल्स

10. सिंन्धु घाटी सभ्यता के विकसित अवस्था में निम्नलिखित में से किस स्थल से घरों में कुओं के
अवशेष मिले हैं ?

(a) हड़प्पा

(b) कालीबंगा

(c) लोथल

(d) मोहनजोदड़ो

11. सिन्धु घाटी सभ्यता को खोज निकालने में जिन दो भारतीयों का नाम जुड़ा है, वे हैं

a) राखालदास बनर्जी तथा दयाराम साहनी
b) जॉन मार्शल तथा ईश्वरी प्रसाद
c) ए एल श्रीवास्तव तथा रंगनाथ राव
d) माधोस्वरूप वत्स तथा वी बी राव

12. हड़प्पा संस्कृति के सन्दर्भ में शैलकृत स्थापत्य के प्रमाण कहाँ से मिले हैं ?

a) कालीबंगा

b) धौलावीर

c) कोटदीजी

13. निम्नलिखित में से कौन –सा / से लक्षण सिन्धु सभ्यता के लोगों का सही चित्रण करता है / करतें हैं –

1. उनके विशाल महल और मन्दिर होते थे।
2. वे देवियों और देवताओं, दोनों की पूजा करते थें।
3. वे युद्ध में घोड़ों द्वारा खींचे गए रथों का प्रयोग करते थे।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही कथन को चुनिए

(a) केवल 1 और 2
(2) केवल 2
(c) 1,2 और 3
(d) उपर्युक्त कथनों में से कोई भी सही नहीं है

14. सिन्धु घाटी सभ्यता के लोगों की मुद्रा में किस देवता की आकृति चित्रित थी ?

(a) पशुपति

(b) इन्द्र

(c) विष्णु

(d) वरूण

15. सिन्धु घाटी सभ्यता के लोग पूजा करते थे –

a) विष्णु

b) ब्रह्म

c) इन्द्र और वरूण

d) पशुपति

16. निम्नलिखित में से किसे 'मृतकों का टीला' नाम से जाना जाता हैं ?

a) हड़प्पा

b) मोहनजोदड़ो

c) कालीबंगा

d) बनवाली

17. हड़प्पाकालीन सभ्यता का विशाल कोठार (अनाज संग्रह करने का स्थान) कहाँ मिला ?

a) मोहनजोदड़ो

b) हड़प्पा

c) रोपड़

d) कालीबंग

18. हड़प्पा सभ्यता का कौन – सा स्थल भारत में नहीं था ?

a) मांडा

b) सुरकोटदा

c) हुलास

d) बालाकोट

19. हड़प्पाकालीन लोगों को किसकी जानकारी नहीं था ?

a) कुम्हारों का चाक

b) आग

c) लोहा

d) गेहूँ

20. सिन्धु घाटी सभ्यता की पहचान निम्न से है –

a) सुंदर मूर्तियाँ

b) धर्म और दर्शनशास्त्र

c) आर्थिक और सामाजिक सुधार

d) शहर–योजना प्रणाली